INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII-2nd Lang.	Department: Hindi	Date of submission:
Question Bank with Grammar	Topic: अपूर्व अनुभव	Note: Pl File in portfolio

अति लघु प्रश्नोत्तर

प्रश्न-1 यासुकी-चान का घर कहाँ था?

उत्तर - यासुकी-चान का घर डेनेनचोफु में था।

प्रश्न-2 तोमोए में पेड़ को बच्चे कैसी संपत्ति मानते थे?

उत्तर - तोमोए में पेड़ को बच्चे अपनी निजी संपत्ति मानते थे।

प्रश्न-3 तोत्तो-चान ने सबसे पहले अपनी योजना के बारे में किसे बताया?

उत्तर - तोत्तो-चान ने सबसे पहले अपनी योजना के बारे में रॉकी को बताया।

प्रश्न-4- तोत्तो-चान और यासुकी-चान किस पहलवान की बातें कर रहे थे?

उ- तोत्तो-चान और यासुकी-चान सूमो पहलवान की बातें कर रहे थे|

प्रश्न-5- तोत्तो-चान ने किसे अपने पेड़ पर चढ़ाया?

उ- तोत्तो-चान ने यासुकी-चान को अपने पेड़ पर चढ़ाया|

लघु प्रश्नोत्तर

प्रश्न-1 तोमोए में पेड़ और बच्चों के बीच क्या संबंध है?

उत्तर - तोमोए में हर एक बच्चा बाग़ के एक-एक पेड़ को अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था।

प्रश्न-2 तोत्तो-चान ने कौन सा साहस भरा काम किया था?

उत्तर - तोत्तो-चान ने अपने पोलियो ग्रस्त मित्र यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ा कर साहस भरा काम किया था।

प्रश्न-3 पेड़ की द्विशाखा पर पहुँचते ही तोत्तो-चान और यासुकी-चान ने एक दूसरे से क्या कहा?

उत्तर - तोत्तो-चान ने सम्मान से झुककर कहा, "मेरे पेड़ पर तुम्हारा स्वागत है।" यासुकी-चान ने झिझकते हुए मुसकरा के पूछा, "क्या मैं अंदर आ सकता हूँ ?"

प्रश्न-4 तोत्तो-चान का पेड़ कैसा था?

उत्तर - तोत्तो-चान का पेड़ बड़ा था। उसपर चढ़ने जाओ तो पैर फिसल-फिसल जाते थे। पर, ठीक से चढ़ने पर ज़मीन से कोई छह फुट की ऊँचाई पर एक द्विशाखा पर पहुँचा जा सकता था।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

प्रश्न-1 अपनी माँ से झूठ बोलते समय तोत्तो-चान की नज़रें नीचे क्यों थीं?

उत्तर - तोत्तो-चान ने अपनी माँ से झूठ कहा था कि वह यासुकी-चान के घर जा रही है। असल में वह यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए लेकर जा रही थी। उसे डर था कि अगर उसने माँ की ओर देखा तो माँ उसकी चोरी पकड़ लेगी और उसे नहीं जाने देगी। इसी डर के कारण झूठ बोलते समय तोत्तो-चान की नज़रें नीचे थी।

प्रश्न-2 पेड़ पर बैठे-बैठे तोत्तो-चान और यासुकी-चान क्या बातें कर रहे थे?

उत्तर- तोत्तो-चान और यासुकी-चान पेड़ पर बैठे–बैठे, इधर-उधर की गप्पें लड़ा रहे थे। यासुकी-चान ने तोत्तो-चान को टेलीविज़न के बारे में बताया जिसके बारे में उसे अपनी अमेरीका में रह रही बहन से पता चला था। यासुकी-चान ने तोत्तो-चान से कहा कि जब टेलीविज़न जापान में आ जाएगा तो घर बैठे-बैठे ही सूमो

कुश्ती देख सकेंगे। ये सारी बातें सुनकर तोत्तो-चान सोच रही थी कि सूमो पहलवान घर में रखे डिब्बे में कैसे समा जाएँगे?

व्याकरण भाग-

अनुस्वार की परिभाषा- अनुस्वार के उच्चारण में 'अं' की ध्वनि मुख से निकलती है। हिंदी में लिखते समय इसका प्रयोग शिरोरेखा के ऊपर बिंदु लगाकर किया जाता है। इसका प्रयोग 'अ' जैसे किसी स्वर की सहायता से ही संभव हो सकता है; जैसे – संभव।

इसका वर्ण-विच्छेद करने पर 'स् + अं (अ + म्) + भ् + अ + व् + अ' वर्ण मिलते हैं। इस शब्द में अनुस्वार 'अं' का उच्चारण (अ + म्) जैसा हुआ है, पर अलग-अलग शब्दों में इसका रूप बदल जाता है; जैसे

संचरण = स् + अं (अ + न्) + च् + अ + र् + अ + ण् + अ

संभव = स् + अं (अ + म्) + भ् + अ + व् + अ ।

संघर्ष = स् + अं (अ + ङ्) + घ् + अ + र् + ष् + अ

संचयन = स् + अं (अ + न्) + च् + अ + य् + अ + न् + अ

प्रश्न 1. नीचे दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करते हुए शब्दों का मानक रूप लिखिए –

नालदा, अतर, सक्षिप्त, अबर, चद्रमा, सघर्ष, नितात, सस्कार, अक, गङ्गा, जगली, तगी, तत्र, तबाकू, पखुड़ी, कपन, दगल, पकज, बजारा।

उत्तर: नालंदा, अंतर, संक्षिप्त, अंबर, चंद्रमा, संघर्ष, नितांत, यंत्र, संस्कार, अंक, गंगा, जंगली, तंगी, तंत्र, तंबाकू, पंखुड़ी, कंपन, दंगल, पंकज, बंजारा।

अनुनासिक की परिभाषा- जिन स्वरों के उच्चारण में मुख के साथ-साथ नासिका की भी सहायता लेनी पड़ती है। अर्थात् जिन स्वरों का उच्चारण मुख और नासिका दोनों से किया जाता है वे अनुनासिक कहलाते हैं। इनका चिह्न चन्द्र बिन्दु (ँ) है।

प्रश्न 2. नीचे दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग करके शब्दों को पुनः लिखिए-

बंटवारा, संकरा, आंख, हंसमुख, अंगड़ाई, आंचल, सांस, कहां, ऊंट, आंवला, ऊंघना, आंधी, कांटा, गांव, चांदनी, आंसू, ऊंचाई, जांच, टांग, डांट, पहुंचना।

उत्तर: बँटवारा, सँकरा, आँख, हँसमुख, अँगड़ाई, आँचल, साँस, कहाँ, ऊँट, आँवला, ऊँघना, आँधी, काँटा, गाँव, चाँदनी, आँसू, ऊँचाई, जाँच, टाँग, डाँट, पहुँचना।

नुक़्ता - नुक़्ता उर्दू का शब्द है ,जिसका अर्थ है 'बिंदु' Dot(.)
नुक़्ता इन अक्षरों के नीचे ही लगाया जाता है जैसे--- क़, ख़, ग़, ज़, फ़
क़यामत, क़ुरान, ख़त, ख़तरा, ग़ालिब, बेग़म, मज़दूर, ज़ेवर, ज़ोरदार, फ़तवा, फ़कीर।
हिंदी में अरबी, फारसी, तुर्की,पुर्तगाली, अंग्रेज़ी आदि भाषाओं के शब्द आ गए हैं। इन शब्दों को आगत (borrowed) शब्द कहा जाता है। अन्य भाषाओं से आने वाले इन शब्दों में कुछ शब्द ऐसे भी हैं जिनमें कुछ ऐसी ध्वनियाँ पाई जाती हैं जो हिंदी में नहीं थी। इन आगत वर्णों के नीचे बिंदु अर्थात नुक्ता(dot) लगाकर नए वर्ण बना लिए गए जो इस प्रकार हैं –
परंपरागत वर्ण - क ख ग ज फ |
नवनिर्मित वर्ण - क़ ख़ ग़ ज़ फ़ |

प्रश्न-3 निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग करके शुद्ध रूप में लिखिए:-

कलम	क़लम	किला	क़िला
खूब	ख़ूब	खरीदा	ख़रीदा
खामोश	ख़ामोश	गम	ग़म
बेगम	बेग़म	जहर	ज़हर
जुबान	ज़ुबान	कागज	कागज़
गालिब	ग़ालिब	जरूर	ज़रूर

प्रश्न-4 निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए:-

मनुष्य = मनुष्यता

मित्र = मित्रता

प्रभु = प्रभुता

बच्चा = बचपन

शैतान = शैतानी

मूर्ख = मूर्खता

शीतल = शीतलता

सफल = सफलता

कायर = कायरता

निर्बल = निर्बलता

प्रश्न-5 वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए –

1. जो दिखाई नहीं देता हो – अदृश्य
2. गोद लिया हुआ पुत्र – दत्तक
3. रात्रि में चलने वाला – निशाचर
4. जो कभी न मरे – अमर
5. जो ईश्वर को मानता हो – आस्तिक
6. जो ईश्वर को न मानता हो – नास्तिक
7. जिसकी कोई उपमा नहीं हो – अनुपम
8. जिसके आने की तिथि निश्चित न हो – अतिथि
9. जो पहले कभी घटित नहीं हुआ हो – अभूतपूर्व
10. लेखक द्वारा स्वयं की लिखी हुई कथा (जीवनी) – आत्मकथा